

# BauSU

Bau-Software Unternehmen GmbH

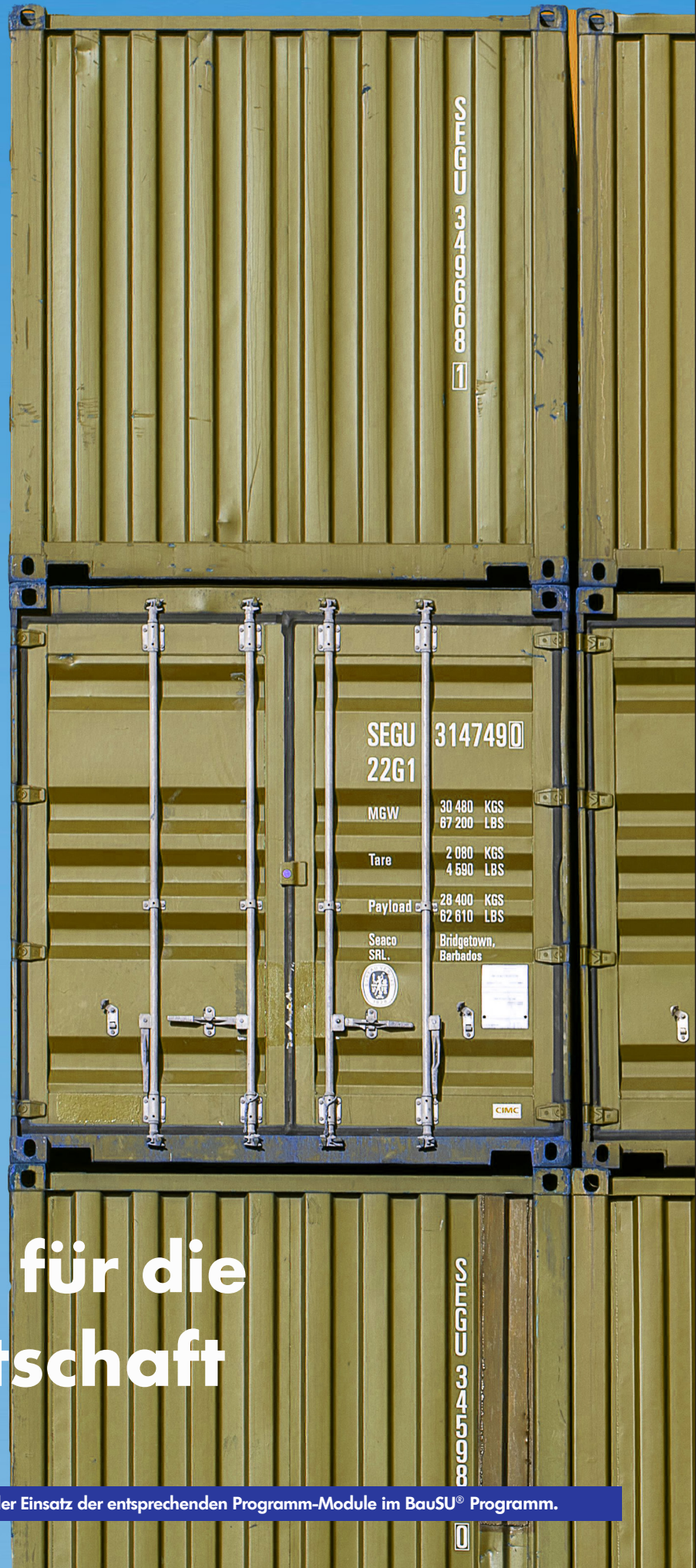
[www.BauSU.de](http://www.BauSU.de)

Einkauf



# Einkauf Zusatzmodul für die Materialwirtschaft

Voraussetzung für die aufgeführten Funktionen ist der Einsatz der entsprechenden Programm-Module im BauSU® Programm.





## Einkauf

### Zusatzmodul für die Materialwirtschaft

Mit der BauSU Materialwirtschaft können Sie ein oder mehrere kleine Lager einrichten, Materialflüsse verwalten und einen schnellen Überblick über den Lagerbestand bekommen.

Der Anwender fakturiert damit die Artikel, z. B. für einen kleinen Baustoffhandel, oder schreibt Regie-/Tagelohnrechnungen, die dann gegebenenfalls auch automatisch in die Finanzbuchhaltung und in die Baustellenkontrolle einfließen.

Für Baustellen können Tagesberichte erfasst und verwaltet werden; Tagelohnzettel, die von den Baustellen „reinkommen“, werden schnell eingegeben, gedruckt und zu Aufträgen/Rechnungen verdichtet.

### Der Einkauf als Schnittstelle zwischen Baustelle und der kaufmännischen Verwaltung

Koordiniertes Handeln beim Einkauf der Materialien spart Geld und trägt zu einem wesentlichen Teil zum Erfolg einer Baumaßnahme bei.

Grundsätzlich wird es in kleinen und mittleren Betrieben kaum eine eigene Einkaufs-abteilung geben. Diese Tätigkeiten müssen häufig von kaufmännischen und technischen Mitarbeitern quasi nebenbei erledigt werden.

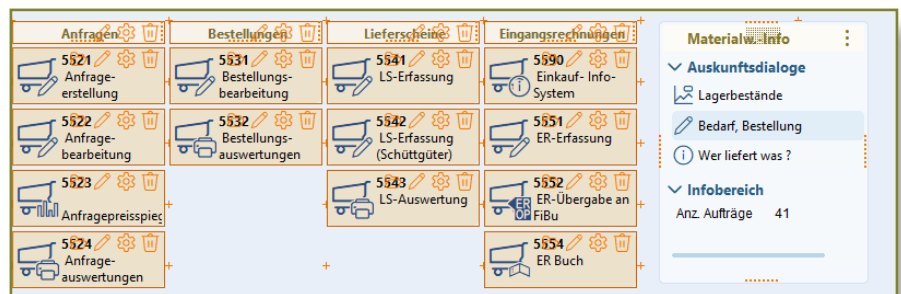


Abb. 1: Frei gestaltbares Hauptmenü (Einkauf)

Um diese Arbeiten zentral zu verwalten, haben wir das Einkaufsmodul geschaffen, das sich stark an der Einkäufer-Praxis orientiert und leicht zu bedienen ist. Mit diesem Softwaremodul wird der gesamte Einkauf eines Unternehmens organisiert: Feststellung des Bedarfs, Anfrage und Preisspiegel, Bestellung, Kontrolle der Lieferscheine und Eingangsrechnungen. Mit dem Einkaufsmodul ermittelt der Anwender einen Bedarf aus unterschiedlichen Quellen, stellt Anfragen bei Lieferanten und führt Bestellungen aus. Dabei kann sich der Bedarf aus einer einzelnen Baumaßnahme, einer kompletten Baustelle, eines unter schrittenen Lagerbestandes oder durch eine direkte Anforderung ergeben.

In diesem Einkaufssystem ist es zwar nicht notwendig, dass für jede Anfrage zunächst ein Bedarf oder für jede Bestellung eine Anfrage vorhanden sein muss, aber das Programm bietet diese Möglichkeit, und derjenige, der sie nutzt, wird schnell deren Vorteile zu schätzen wissen.

### Bedarf

Vor der eigentlichen Anfrage steht der Bedarf, der im BauSU-Einkauf eine eigene Daten-tabelle besitzt.

Das Sammeln von Bedarfen in einer eigenen Tabelle geschieht aus mehreren Gründen:

- Der Einkäufer bekommt eine Übersicht darüber, was wann wo benötigt wird (ge-sammelt z. B. für ein oder mehrere Lager und für unterschiedliche LVs).
- Es besteht die Möglichkeit, gleiche Artikel zu sammeln (z. B. aus unterschiedlichen LVs), um durch größere Mengen beim Lieferanten Mengenrabatte aushandeln zu können. Hierbei ist es natürlich wichtig, bei Anfragen und Bestellungen eines Artikels die unterschiedlichen möglichen Liefertermine der einzelnen LVs zu berücksichtigen.
- Darüber hinaus bekommt der Einkäufer in dieser Tabelle die Information, ob bereits etwas angefragt, bestellt, geliefert oder schon abgerechnet ist und welche Mengen von wem zu welchen Preisen geliefert wurde.

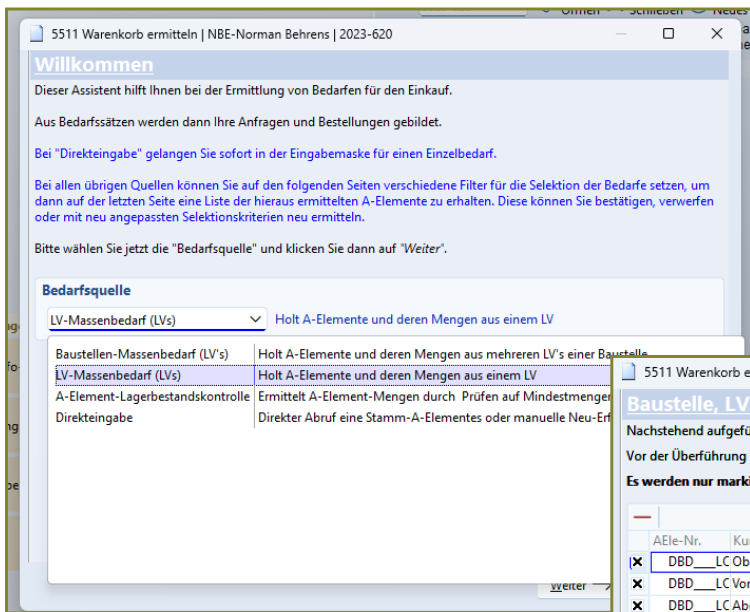


Abb. 2: Startbildschirm Bedarfsermittlung

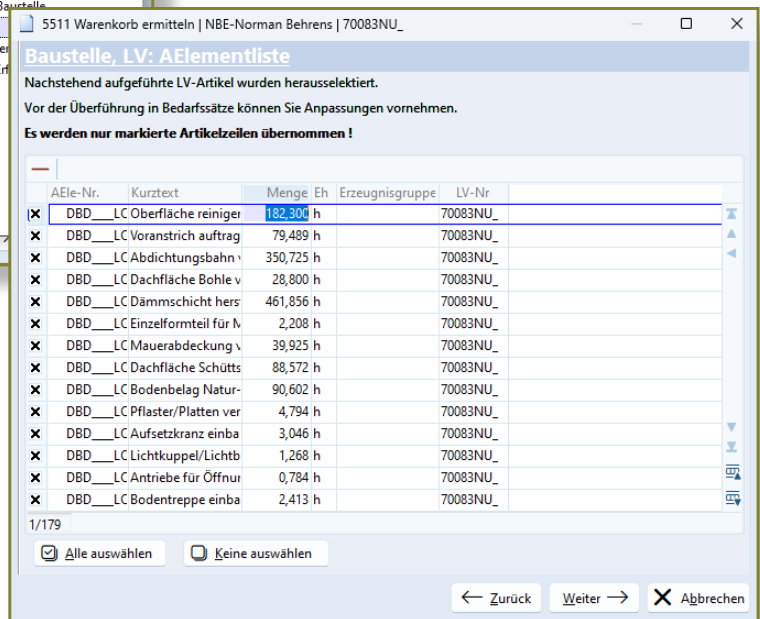


Abb. 3: Ermittelter Bedarf

## Anfrage

Preisfragen sind ein wesentlicher Bestandteil des Einkaufs. Nach der Entscheidung, was und bei wem angefragt werden soll, werden die Anfragen gedruckt, die erhaltenen Preise erfasst und über einen Preis spiegeln eine Bestellentscheidung getroffen.

Die Zuordnung, was bei wem an gefragt werden kann, geschieht über Erzeugnisgruppen, die sowohl dem Artikel (A-Element) als auch dem Anbieter zugeordnet werden. Erzeugnisgruppen sind zweistufig untergliedert (Hauptgruppe und Gruppe) und entsprechen in ihrer Formatierung (111.2222222222) den Warengruppen in DATANORM.

Abb. 4: Anfrage beim Lieferanten

**BauSU**

Bau-Software · Programmierung · Beratung · Betreuung

Bau-Software Unternehmen GmbH

NBE Bau GmbH, Weiße-Aue 72, 30900 Wedemark

Firma  
ABC Baustoffe  
12  
Musterstr. 12  
31275 Lehrte

**Preis-anfrage Nr. 1**

Datum : 13.07.2026  
Sachbearb. : Norman Behrens

für die nachfolgend angegebene Baustelle erwarten wir Ihr günstigstes Preisangebot.

..

| Pos. Nummer  | Menge ca. | Bezeichnung                       | Preis/EH EUR |
|--------------|-----------|-----------------------------------|--------------|
| 11570        | 10,00 To  | Splitt 2/5                        | .....        |
| 13510        | 50,00 m2  | Rechteckpflaster 20/10/ 8 grau    | .....        |
| 13530        | 50,00 m2  | Mosaikpflaster 6,5/6,5/6 rot      | .....        |
| 111415010300 | 250,00 kg | Fiesenkieser                      | .....        |
| 141081200500 | 100,00 kg | Fugenmasse Fliesen                | .....        |
| 161010109000 | 100,00 m2 | Wandfliesen 15x15 cm/10,8x21,8 cm | .....        |

Mit freundlichen Grüßen

NBE Bau GmbH

Anlage:  
Originalschreiben

Verteiler:



## Anfragepreisspiegel

Der Anfragepreisspiegel dient zur Erfassung der Angebotspreise für eine bereits erstellte Anfrage und unterstützt Sie bei der Entscheidungsfindung, welche Artikel bei welchem Lieferanten bestellt werden sollen.

Neben der Erfassung der Preise sind auch Rabatte auf die Gesamtsumme oder die einzelnen Positionen möglich.

|        |   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |   |
|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|---|
| Nummer | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 | 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 | 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 | 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 | 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 | 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 | 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 | 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 | 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 | 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 | 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 | 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 | 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 | 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 | 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 | 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1 |
|--------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|---|



Nummer: 1

Bezeichnung: Bestellung für Zoo Hannover

Bestellung ist erfüllt ☒ Bestellung ist abgerechnet ☐

Bestellsumme: 3.320,00  
Gesamtrabatt: 0,00 (0,00 %)  
Gesamtbetrag: 3.320,00

1. Kopfdaten 2. Bestellpositionen 3. Druckdaten 4. Memo, benutzerdef. Felder 5. Übersicht LS/ER 6. externe Dokumente

**Lieferant**  
00000030 Lehrter Baustoffhandel  
Lehrter Baustoffhandel  
Vorbrücker Ring 2  
31275 Lehrte  
Tel. 05161/3040  
Werte aus FIBU-Personenkonto 00020030  
Skonto 10 Tage 2 %  
Fälligkeitstage 8

**Baustelle/Kostenstelle/Gerät**  
BKG-Nummer EINKBAU Einkaufsmodul Testbaustelle  
verschiedene B/K/G zulassen **nein**

**Lieferort**  
Adresstyp Absenderanschrift  
Lieferort gte Absender ☒

**Sonstiges**  
Erfasst am 29.03.2023  
Bestellt am 29.03.2023  
Bestellt durch NBE Norman Behrens  
Gesamtrabatt 0,00 %  
interne Nummer  
Bearbeitungszustand nicht angegeben  
Name des Fahrers 12345  
Rahmenvertrag ☐  
per Wiedererzeugung ☐  
Programmphase erfüllt  
Lieferdatum Bestellung ... bestgültiger Liefertermin 29.03.2023  
Artikelgesamtgewicht  
LQ-Zuordnung keine

Anfrage vom 1 29.03.2023  
Angebot vom  
Auftragsbestätigung ☐  
Bindefrist  
☐ Lieferscheinplicht bei Übernahme in eine Einkaufseingangsrechnung

Abb. 8 Kopfdaten Bestellung

Neben der automatischen Generierung im Preisspiegel-dialog können Bestellungen unter Angabe des Lieferanten, der Bau- bzw. Kostenstelle und der zu liefernden Artikel auch direkt (neu) erfasst werden, wobei diese Stamm-A Elemente auch manuelle Artikel sein können.

Nummer: 1

Bezeichnung: Bestellung für Zoo Hannover

Bestellung ist erfüllt ☒ Bestellung ist abgerechnet ☐

Bestellsumme: 3.320,00  
Gesamtrabatt: 0,00 (0,00 %)  
Gesamtbetrag: 3.320,00

1. Kopfdaten 2. Bestellpositionen 3. Druckdaten 4. Memo, benutzerdef. Felder 5. Übersicht LS/ER 6. externe Dokumente

Positionsbetrag: 20,00

| A-Element(intern) | Bezeichnung                       | Samtmenge | heit | Preis | Rabatt | Betrag   | Lieferdatum |
|-------------------|-----------------------------------|-----------|------|-------|--------|----------|-------------|
| 11570             | Splitt 2/5                        | 10,000    | To   | 2,000 | 0,00 % | 20,00    |             |
| 13510             | Rechteckpflaster 20/10/ 8 grau    | 50,000    | m2   | 3,000 | 0,00 % | 150,00   |             |
| 13530             | Mosaikpflaster 6,5/6,5/6 rot      | 50,000    | m2   | 4,000 | 0,00 % | 200,00   |             |
| 111415010300      | Fliesenkleber                     | 250,000   | kg   | 5,000 | 0,00 % | 1.250,00 |             |
| 141081200500      | Fugenmasse Fliesen                | 100,000   | kg   | 8,000 | 0,00 % | 800,00   |             |
| 161010109000      | Wandfliesen 15x15 cm/10,8x21,8 cm | 100,000   | m2   | 9,000 | 0,00 % | 900,00   |             |

Abb. 9 Bestellpositionen

Lieferant: 00000030 Lehrter Baustoffhandel

Lieferschein 12345 vom 13.07.2026

1. Kopfdaten 2. Lieferscheinpositionen 3. Memo, benutzerdef. Felder 4. Übersicht Bestellung/ER 5. externe Dokumente

**Lieferant**  
00000030 Lehrter Baustoffhandel  
Lehrter Baustoffhandel  
Vorbrücker Ring 2  
31275 Lehrte  
Tel. 05161/3040  
FIBU-Personenkonto 00020030

**Sonstiges**  
erfasst am 29.03.2023 durch NBE  
Freigabe am ... durch ...  
Eingangsberechnung  
LS-Datum 13.07.2026 BBS-Periode 202601  
externe LS-Nr. 12345  
Lieferart per LKW zur Baustelle  
Name des Fahrers T.  
KFZ-Kennzeichen H LE 9898 Lieferuhrzeit 12:00 Uhr

Berichtsvorlage Stammblatt  
Berichtsnummer 5541.010 Stammbblatt Einkaufslieferschein

## Lieferschein

Erfolgt eine Bestellung über den BauSU-Einkauf, verfügt der Anwender anhand der bereits erfassten Daten gleichzeitig über die Möglichkeit einer Lieferscheinkontrolle. Die eingehenden Lieferscheine können über die Lieferantendaten sehr leicht den entsprechenden Bestellungen zugeordnet und die Vollständigkeit der Liefermengen darüber überprüft werden.

Abweichungen können erfasst und Besonderheiten (wie z. B. Beschädigungen oder starke Verschmutzung) protokolliert werden.

Abb. 10 Kopfdaten Lieferschein

## Stammblatt Einkaufslieferschein 12345

|                                   |                           |                                  |
|-----------------------------------|---------------------------|----------------------------------|
| Lehrter Baustoffhandel            | Lieferanten-Nr : 00000030 | externe Lieferschein-Nr. : 12345 |
| Vorbrücker Ring 2                 | PKTO : 00020030           | Lieferscheindatum : 13.07.2026   |
| 31275 Lehrte                      | Kdnr bei Lieferant :      | interne Lieferschein-Nr. : 1     |
|                                   |                           | erfasst am : 29.03.2023          |
|                                   |                           | erfasst durch : NBE              |
| Lieferart : per LKW zur Baustelle |                           |                                  |

| A-Element    | Kurzbezeichnung                   | Eh | Bestellmenge | Ges.    | Geliefert | LS-Menge | Best.-ID |
|--------------|-----------------------------------|----|--------------|---------|-----------|----------|----------|
| 11570        | Splitt 2/5                        | To | 10,000       | 10,000  | 10,000    | 1        |          |
| 13510        | Rechteckpflaster 20/10/ 8 grau    | m2 | 50,000       | 50,000  | 50,000    | 1        |          |
| 13530        | Mosaikpflaster 6,5/6,5/6 rot      | m2 | 50,000       | 50,000  | 50,000    | 1        |          |
| 111415010300 | Fliesenkleber                     | kg | 250,000      | 250,000 | 250,000   | 1        |          |
| 141081200500 | Fugenmasse Fliesen                | kg | 100,000      | 100,000 | 100,000   | 1        |          |
| 161010109000 | Wandfliesen 15x15 cm/10,8x21,8 cm | m2 | 100,000      | 100,000 | 100,000   | 1        |          |

Abb. 11 Einkaufslieferschein

## Eingangsrechnung

Bevor eine eingehende Rechnung an die Finanzbuchhaltung zur Bezahlung weitergegeben wird, muss sie geprüft werden. Bei dieser Überprüfung müssen sowohl die aufgeführten Positionen mit den Lieferungen übereinstimmen, als auch die Preise und Rabatte mit denen der Bestellung aufgrund des Preisangebotes.

Diese Überprüfung findet bei der Erfassung der Eingangsrechnung statt. Hier wählt der Anwender die zugehörigen Lieferscheine aus und kann anhand der Rechnungssumme mögliche Abweichungen in Menge, Preis oder Rabatt feststellen und die Differenz anhand der Einzelnachweise suchen.

Eine als „korrekt“ geprüfte Rechnung wird zur Übergabe an die Finanzbuchhaltung freigegeben und kann jederzeit per Stapel dorthin übertragen werden.

Abb. 12 Eingangsrechnung



## **BauSU Einkauf im Überblick**

### **Leistungsmerkmale des Programm-Moduls**

#### **Bedarf**

- Bedarfsermittlung automatisch aus LV, Baustelle (mehrere LVs), unterschrittnen Lagerbestand, vielfältige Filtermöglichkeiten
- Bedarfserfassung manuell, einzeln oder tabellarisch

#### **Anfrage**

- Manuelle oder automatische Anfrageerstellung aus bestehendem Bedarf
- Automatische Anbieterermittlung, nach Postleitzahlen selektierbar
- Individueller Ergänzungstext je Anfrageposition
- Preishistorie der einzelnen Artikel
- Automatische Erstellung der Anfragen pro Anbieter mit den lieferbaren Positionen
- Anfragepreisspiegel

#### **Bestellung**

- Positions-, Anbieter-, Bestwertbestellung
- Bestellpreise in LV übertragen
- Liefertermin pro Bestellposition

#### **Lieferschein**

- Kontrolle der Bestellmengen
- Teilmengenlieferung
- Kompakte LS-Erfassung für Schüttgüter

#### **Eingangsrechnungskontrolle**

- Kontrolle der Preise und der Mengen
- MwSt. je Position
- Rechnungsübergabe an die Finanzbuchhaltung über Stapel

#### **Einkaufsinformationssystem**

- Übersicht über Anfragen, Bestellungen, Artikelbestände, Lieferscheine, Rechnungen mit zahlreichen Selektier- und Filtermöglichkeiten

## BauSU® Zusatzmodule

### Extra Arbeitshilfen

Das BauSU® Programm ist in insgesamt drei kaufmännisch-betriebswirtschaftliche und drei technisch-betriebswirtschaftliche Hauptmodule aufgeteilt. Diese Hauptmodule umfassen sämtliche damit zusammenhängenden Aufgaben eines Bauunternehmens. Begleitend zu den Hauptmodulen bieten wir Ihnen leistungsstarke Zusatzmodule, die als ergänzende Arbeitshilfen nach Bedarf gewählt werden können.



#### Bau-Lohnbuchhaltung

- ▶ eSTATISTIK.core
- ▶ Externe Lohnschnittstelle
- ▶ A1-Bescheinigungen
- ▶ Digitale Lohnschnittstelle
- ▶ euBP - elektronisch unterstützte Betriebsprüfung
- ▶ IW-Elan
- ▶ DEÜV Datenübertragung Sozialversicherung
- ▶ BEA - elektronische Meldungen
- ▶ Urlaubsplanung
- ▶ Arbeitgeber Darlehensverwaltung
- ▶ Elektronische Meldungen AAG
- ▶ EEL Krankenkassenbescheinigung
- ▶ elektronische Beitragsnachweise
- ▶ Personal-Akte



#### Bau-Finanzbuchhaltung

- ▶ Anlagenbuchhaltung
- ▶ Zahlungsbuchhaltung
- ▶ Eingangsrechnungskontrolle
- ▶ Subunternehmer ER
- ▶ Bürgschaftsverwaltung
- ▶ Digitaler Kontoauszug
- ▶ Datev-Export
- ▶ GDPdU Archiv
- ▶ Liquiditätsentwicklung
- ▶ MIS - Management-Informationssystem
- ▶ Baustellenkasse



#### Bau-Betriebssteuerung

- ▶ Eingangsrechnung erfassen, Mahnwesen
- ▶ Konsolidierung von Mandaten
- ▶ Bau-Mängelverwaltung
- ▶ Lohnstundenerfassung BBS



#### Kalkulation/Angebot

##### Aufmaß/Abrechnung

- ▶ Arbeitsvorbereitung
- ▶ GAEB-Bieterpreiserfassung
- ▶ BIM-LV-Container
- ▶ Schnittstelle Powerproject
- ▶ Subunternehmer-Verwaltung
- ▶ Festpreis-Projekte
- ▶ Nachkalkulation
- ▶ DB-Anke
- ▶ Leistungsmeldung
- ▶ Schichtaufmaß
- ▶ Kanalabrechnung
- ▶ Querprofil-Aufmaß (21.003)
- ▶ Rechnungsbücher + Mahnwesen
- ▶ XRechnung / ZUGFeRD



#### Materialwirtschaft

- ▶ Einkauf
- ▶ Bautagesberichte
- ▶ Einbaunachweise
- ▶ Übernahme Waagedaten
- ▶ Lagerverwaltung



#### Geräteverwaltung

- ▶ Einsatzplanung/Disposition

#### Allgemeine Zusatzmodule

- ▶ Druckarchivierung
- ▶ Statische Auswertung
- ▶ DMS-Anbindung
- ▶ Workflow



#### BauSU® mobil - für die Baustelle







## Ergänzendes Hauptmodul zum Arbeitsgebiet Einkauf: **Materialwirtschaft**

Mit der Materialwirtschaft bekommen Sie ein einfaches und schnell zu bedienendes Hauptmodul zur Rechnungslegung von Tagelohn- bzw. Regielohnarbeiten in die Hand. Die Funktionalität umfasst auch die integrierte Lagerverwaltung und die Bautagesberichtserfassung.

### Unser Konzept

Mit der Materialwirtschaft bekommen Sie ein einfaches und schnell zu bedienendes Hauptmodul zur Rechnungslegung von Tagelohn- bzw. Regielohnarbeiten in die Hand. Die Funktionalität umfasst auch die integrierte Lagerverwaltung und die Bautagesberichtserfassung.

#### Zentrale · Hannover

Wietze-Aue 72 · 30900 Wedemark  
Telefon: 05130 6075 - 110  
Fax: 05130 6075 - 185  
E-Mail: Info@BauSU.de

#### Büro · München

Hauptstraße 8a · 82008 Unterhaching  
Telefon: 05130 6075 - 210  
Fax: 05130 6075 - 285  
E-Mail: Muenchen@BauSU.de

#### Büro · Regensburg

Dangelsdorf 13 · 93192 Wald  
Telefon: 05130 6075 - 310  
Fax: 05130 6075 - 385  
E-Mail: Regensburg@BauSU.de

#### Büro · Karlsruhe

Bahnhofstraße 66 · 67105 Schifferstadt  
Telefon: 05130 6075 - 410  
Fax: 05130 6075 - 485  
E-Mail: Karlsruhe@BauSU.de

#### Büro · Dortmund

An der Wethmarheide 34 · 44536 Lünen  
Telefon: 05130 6075 - 510  
Fax: 05130 6075 - 585  
E-Mail: Dortmund@BauSU.de

#### Büro · Hamburg

Ochsenzoller Str. 147 · 22848 Norderstedt  
Telefon: 05130 6075 - 610  
Fax: 05130 6075 - 685  
E-Mail: Hamburg@BauSU.de

#### Büro · Dresden

Meißner Straße 183 · 01445 Radebeul  
Telefon: 05130 6075 - 710  
Fax: 05130 6075 - 785  
E-Mail: Dresden@BauSU.de

#### Büro · Berlin

Stralauer Platz 33-34 · 10243 Berlin  
Telefon: 05130 6075 - 810  
Fax: 05130 6075 - 885  
E-Mail: Berlin@BauSU.de

#### Büro · Bamberg

Telefon: 05130 6075 - 910  
Fax: 05130 6075 - 985  
E-Mail: Bamberg@BauSU.de

**Bürozeiten: Mo.-Do.: 8<sup>30</sup>-12<sup>30</sup> und 13<sup>00</sup>-16<sup>00</sup> Uhr · Fr.: 8<sup>30</sup>-12<sup>30</sup> und 13<sup>00</sup>-15<sup>00</sup> Uhr**

**Für eine bundesweite Kontaktaufnahme stehen folgende Telefonnummern zur Verfügung:**

#### Hotline Kalk (bundesweit)

**05130 6075 - 60**

#### Für Programme der Arbeitsgebiete:

- Kalkulation • Angebot
- Aufmaß • Abrechnung
- Geräteverwaltung
- angelehnte Themen

#### Zentrale BauSU GmbH

**05130 6075 - 0**

(keine Hotline-Betreuung)

**Info@BauSU.de**

#### Hotline LFB (bundesweit)

**05130 6075 - 75**

#### Für Programme der Arbeitsgebiete:

- Lohnbuchhaltung
- Finanzbuchhaltung
- Bau-Betriebssteuerung
- angelehnte Themen

#### Bau-SU Österreich

Großbarnbergstraße 5  
A-4048 Linz/Puchenaus  
Tel.: +43(0) 732 22 22 89-0  
Fax: +43(0) 732 22 22 89-22  
E-Mail: Office@Bau-SU.at  
www.Bau-SU.at

